स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक  भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

# पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY



विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड



वर्ष २३ अंक ३२० वि.सं. २०८३ असार ३ गते बुध  थारु सम्वत (२६४९)  [Wednesday 17 June 2026]  (मोल रु. ५ ।- पेज ४)


# सुदूरपश्चिमके ३७ अर्ब ७० करोड बजेट

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २ असार ।** सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे आगामी आर्थिक बरस २०८३/८४ के लाग चालु आर्थिक बरसके तुलनामे बहाके बजेट लन्ले बावै ।

आर्थिक मामिलामन्त्री विक्रमसिंह धामी सोम्मारके अढ्ढा रात प्रदेश सभामे ३७ अर्ब ७० करोड रुपियाँके बजेट प्रस्तुत करल रहिट ।

सरकारके इ बजेट हालसमके सबसे ढेर रहल बा । चालु आर्थिक बरसके सम्भावित बचत, आन्तरिक राजस्व वृद्धि ओ प्राकृतिक स्रोतसे प्राप्त हुइना

आम्दानीहे आधार बनाके बजेटके आकार बह्राइल जनाइल बा ।

प्रदेश सरकारसे बजेट सार्वजनिक करक लाग सुरुमे दिनके पाँच बजे प्रदेश सभाके बैठक बोलाइल रहे मने सत्तारूढ दल नेकपा (एमाले) से सिफारिस करल आयोजना, प्रदेश सभा सदस्यके क्षेत्रगत योजना ओ मन्त्रालयगत बजेट व्यवस्थापनके विषयमे असहमति जनाइलपाछे बैठक रातके सारल रहे ।

प्रतिपक्षी दल नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी भर मध्यरात बजेट प्रस्तुत करे परल कारण खोजी कैटी सभाके बैठक बहिष्कार कैके बाहर हुइल रहे ।

उहीसे आघे पहिल बजेटके रूपमे प्रदेश सरकारसे आर्थिक बरस २०७४/७५ मे एक अर्ब दुई करोड पाँच लाखके आंशिक बजेट लानल रहे । ओस्टके आर्थिक बरस २०७५/७६ मे २५ अर्ब छ करोड ५६ लाख, आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मे २९ अर्ब २३ करोड ३० लाख, आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मे ३४ अर्ब ६४ करोड ३९ लाख रुपियाँ इ प्रदेशके बजेट रहल रहे ।

ओस्टके आर्थिक बरस २०७८/७९ मे ३१ अर्ब १७ करोड ५६ लाख, आर्थिक वर्ष २०७९/८० मे ३६ अर्ब ३३ करोड ८९ लाख, आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मे २९ अर्ब २६ करोड ५९ लाख रुपियाँके बजेट प्रदेश सरकारसे लानल रहे ।

आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे ३१ अर्ब ६२ करोड ९८ लाख रुपियाँ प्रदेश सरकारके बजेट रहल रहे ।

सरकारके चालु आर्थिक बरसके बजेट ३३ अर्ब ४५ करोड ५१ लाख रुपियाँ रहल बा ।

# ओरेकके प्राविधिक सहयोगमे लैससास परीक्षण सम्बन्धी कार्यशाला

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २ असार ।** बफ्साङ जिल्लाके मष्टा गाउँपालिका ओ कञ्चनपुरके बेलौरी नगरपालिकाके आयोजना तथा महिला पुनर्स्थापना केन्द्र (ओरेक) के प्राविधिक सहयोगमे मष्टा गाउँपालिका ओ बेलौरी नगरपालिकामे लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण (लैससास) परीक्षण तथा लैङ्गिगक सम्बन्धी २ दिने कार्यशाला सम्पन्न हुइल बा ।

जेठ २५ ओ २६ मष्टा गाउँपालिका उपाअध्यक्ष हर्क धामी ओ जेठ २८ ओ २९ गते बेलौरी नगरपालिकाके नगरप्रमुख पोतीलाल चौधरीके अध्यक्षतामे आयोजित उ कार्यक्रमसे स्थानीय तहमे लैससास अवधारणाबारे साझा बुझाइ अभिवृद्धि कैना, विद्यमान नीति, ऐन तथा कार्यविधिहे लैससास दृष्टिकोणसे समीक्षा कैना ओ समावेशी तथा सहभागितामूलक नीति निर्माण प्रक्रियाहे संस्थागत कैना लक्ष्य राखल रहे ।

कार्यशालाके क्रममे लैससास उत्तरदायी योजना तथा बजेट तर्जुमा प्रक्रियाहे ठप प्रभावकारी बनैना, सेवा प्रवाहमे सक्कु वर्ग तथा समुदायके समान पहुँच सुनिश्चित कैना, लैङ्गिक हिंसा निवारण कोषके प्रभावकारी सञ्चालनके लाग आवश्यक संशोधन कैना, साथे अनुगमन-मूल्याङ्कन प्रणाली ओ सामाजिक जवाफदेहिता संयन्त्र सुदृढ कैना विषयमे विस्तृत छलफल करल रहे ।

कार्यक्रममे नगर प्रमुख, उप प्रमुख, तथा कार्यपालिका सदस्य, वडाध्यक्ष, विषयगत शाखा प्रमुख, महिला समूह तथा सञ्जालके प्रतिनिधि, नागरिक समाजके प्रतिनिधिलगायत सक्रिय सहभागिता रहल रहे । सहभागीहुक्के यी कार्यशालासे स्थानीय तहमे लैङ्गिक समानता ओ सामाजिक समावेशीकरणहे संस्थागत करटी उत्तरदायी ओ समावेशी सेवा प्रवाहके आधार तयार कैना महत्वपूर्ण योगदान पुगाइल बटैले रहिट । कार्यक्रममे सहजीकरण ओरेकके प्रदेश सपना थापा ओ जिल्ला संयोजक गीता चौधरी करल रहिट ।

# लुम्बिनीके बजेट ३७ अर्ब ३८ करोड

**पहुरा समाचारदाता**

**दाङ २ असार ।** लुम्बिनी प्रदेश सरकारसे अइना आर्थिक वर्ष २०८३/०८४ के लाग ३७ अर्ब ३८ करोड ४५ लाख रुप्याके वार्षिक बजेट प्रदेश सभामे प्रस्तुत करल बा । आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्री धनेन्द्र कार्कीसे सोम्मार प्रदेश सभामे बजेट प्रस्तुत करल हुइल हो ।

प्रस्तुत बजेटमध्ये पुँजीगतओर २२ अर्ब ७१ करोड ६५ लाख ४० हजार रुप्या, चालुओर ११ अर्ब ११ करोड २७ लाख १० हजार रुप्या विनियोजन करल बा । वित्तीय व्यवस्थाओरके रकमसमेत समावेश करके कुल बजेट ३७ अर्ब ३८ करोड ४५ लाख रुप्या पुगल हो । चालु आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ मे प्रदेश सरकारसे ३८ अर्ब ९१ करोड रुप्याके बजेट ल्यानल रहे ।

सरकारसे अइना वर्षके बजेटमार्फत प्रदेश संरचनाके सुदृढीकरण, संघीय लोकतान्त्रिक व्यवस्थाके संस्थागत विकास, प्रादेशिक अर्थतन्त्रके सवलीकरण, वित्तीय सुशासन, सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रके सहभागिता विस्तार ओ आर्थिक समृद्धिहे मुख्य प्राथमिकतामे राखल जनैले बा । समृद्ध लुम्बिनी, खुसी नागरिक के दीर्घकालीन सोचहे कार्यान्वयन करके करके बजेट तर्जुमा करल मन्त्री कार्की बटैलै ।

बजेटसे संघीयताके लाभ आम नागरिकसम पुगैना प्रतिवद्धता व्यक्त करटी पूर्वाधार विकासमे दायित्व भुक्तानीहे प्राथमिकता डेहल बा ।

मदिराजन्य तथा सुर्तिजन्य उद्योगबाहेक अन्य उद्योग स्थापना कैना उद्यमीहे पूर्ण छुट डेना व्यवस्था करल बा । उद्यमशीलता प्रवर्द्धनके लाग उद्यम विकास कोष स्थापना करके स्टार्टअप तथा नवप्रवर्तन कार्यक्रम सञ्चालन कैना हुइल बा ।

प्रदेश सरकारसे मन्त्रालयके पुनःसंरचना करके आठ मन्त्रालयमार्फत कार्य सञ्चालन कैना तथा दरबन्दी पुनरावलोकन कैना नीति लेहल बा । डिजिटल लुम्बिनी प्रदेश कार्यक्रमहे समेत प्राथमिकतामे धारल बा ।

स्थानीय तहहे वित्तीय हस्तान्तरणअन्तर्गत वित्तीय समानीकरण अनुदानमे ९६ करोड रुप्या, समपुरक अनुदानमे ९८ करोड ४० लाख रुप्या, विशेष अनुदानमे २० करोड रुप्या तथा सशर्त अनुदानमे १ अर्ब ४१ करोड १२ लाख ५० हजार रुपैयाँ विनियोजन करल बा ।

कृषि क्षेत्रके उत्पादकत्व वृद्धि कैना ४ करोड ९९ लाख रुपैयाँ तथा प्राविधिक सेवा विस्तारके लाग २ करोड ७८ लाख रुपैयाँ छुट्याइल बा ।

शिक्षा तथा सामाजिक विकासओर प्राविधिक शिक्षाके लाग ११ करोड रुप्या, सामुदायिक क्याम्पस तथा विद्यालयके लाग ४० करोड रुप्या, शिक्षक क्षमता अभिवृद्धिके लाग १ करोड ५० लाख रुपैयाँ तथा छात्रवृत्तिके लाग ७ करोड ६० लाख रुपैयाँ विनियोजन करल बा । विद्यालय दिवा खाजा कार्यक्रममे प्रतिविद्यार्थी ५ रुपैयाँ थप कैना व्यवस्था करल बा ।

बालविवाह न्यूनीकरण तथा बालविवाहमुक्त प्रदेश अभियानहे प्रभावकारी बनैना प्रदेशके १०९ स्थानीय तहहे प्रतिपालिका १० लाख रुप्याके दरसे १० करोड ९० लाख रुपैयाँ सशर्त अनुदान उपलब्ध करैना बा । स्वास्थ्यओर (बाँकी ३ पेजमे )

# रास्वपा सुदूरपश्चिमके सभापतिमे प्रकाश विष्ट विजयी

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २ असार ।** राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) सुदूरपश्चिमके सभापतिमे इन्जिनियर प्रकाश विष्ट विजयी हुइल बटै ।

निर्वाचित हुइल विष्ट ३५८ मत प्राप्त करले बटै कलेसे ओहकान प्रतिस्पर्धी जनकसिंह धामी १५४ मत पैले बटै ।कुल गिरल मतके ५१ प्रतिशत कटैना उम्मेदवार विजयी हुइना व्यवस्था अनुसार विष्ट पहिल चरणसे निर्वाचित हुइल हुइट ।

सभापतिमे निर्वाचित विष्ट उहीसे आघे फेन सभापति रहिट । पराजित हुइल धामी प्रतिनिधि सभा सदस्य हुइट । उहाँ कञ्चनपुर-१ से विजयी हुइल हुइट ।

सभापतिसहित १६ भूगोल ओ १५ खुला तथा समावेशी सदस्य चयन करक लाग मतदान हुइल रहे ।

पहिल चरणमे सभापति निर्वाचित हुइल ओरसे आब उपसभापति, महामन्त्री ओ सहमहामन्त्री (२) पदके लाग निर्वाचन हुइना बा । कार्य समिति सदस्य पदके निर्वाचन फेन डुसरा चरणमे हुइना बा ।

**स्माईल चौधरीसे प्रकाशित**
सम्पादक : **प्रेम चौधरी** (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
**प्रधान कार्यालय:** ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
**E-mail: dailypahura@gmail.com,**
**Website: pahura.com**
*मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी*

# ११ महिनामे प्रत्यक्ष वैदेशिक लगानी प्रतिबद्धता ४७ अर्ब ६१ करोड, जेठमे २ अर्ब २९ करोड

**पहुरा समाचारदाता**

**काठमांडौ, २ असार ।** चालु आर्थिक वर्ष (२०८२/०८३) के ११ महिनामे प्रत्यक्ष वैदेशिक लगानी (एफडीआई) प्रतिबद्धता ४७ अर्बसे उप्पर आइल बा ।

उद्योग विभागके अनुसार वैशाख मसान्तसम ४७ अर्ब ६१ करोड ६९ लाख ४६ हजार रुप्या बराबर एफडीआई स्वीकृत करल बा । इहे अवधिमे अटोमेटिक रुटसे ७ अर्ब ७१ करोड ओ अप्रुभल रुटसे ३९ अर्ब ९० करोड रुप्या बराबर एफडीआई स्वीकृत करल बा । २०८३ जेठ महिनामे केल्ह २ अर्ब २९ करोड ५३ लाख रुप्या बराबरके वैदेशिक लगानी स्वीकृत हुइल बा ।

विभागके अनुसार जेठ महिनामे कुल १८६ ठो परियोजना स्वीकृत हुइल बटै । ११ महिनामेसे लगानी प्रतिबद्धता कुल ९१४ कम्पनीमार्फत आइल बा । २०३ कम्पनी अप्रुभल रुट ओ ७११ कम्पनी अटोमेटिक रुटसे दर्ता हुइल रहे । जेठ महिनामे स्वीकृत १८६ परियोजनामध्ये १८३ ठो छोट स्केलके उद्योग बटै मने ३ ठो मध्यम स्केल बटै ।

भारी स्केलके उद्योग भर इ महिना एक्ठो फे अइना स्वीकृत करल नै हो । इ उद्योग सञ्चालनमे १ हजार २२१ जनहनसे रोजगारी पैना अनुमान करल बा । आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ के ११ महिनामे वैदेशिक लगानीके प्रतिबद्धता कैना सक्कु ९१४ ओ परियोजनासे २५ हजार ४५० जनहनसे रोजगारी पैना अनुमान बा । सरकारसे अब्बेसम ५ हजार २४८ उद्योग दर्ताके लाग ७ हजार ३७४ लगानी स्वीकृत करके ६ खर्ब ६० अर्ब ४३ करोड ८९ लाख रुप्या बराबरके वैदेशिक लगानी प्रतिबद्धता करके विभागसे जनैले बा ।

आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ के ११ महिनामे वैदेशिक लगानीके प्रतिबद्धता करल कुल ९१४ ओ परियोजनासे २५ हजार ४५० जनासे रोजगारी पैना अनुमान बा । उद्योग विभागके अनुसार लगानीके हिसाबसे कृषि ओ वनजन्य क्षेत्र सबसे आकर्षक देखाइल बा । परियोजना संख्याके आधारमे भर सूचना प्रविधि क्षेत्रमे सबसे ढेर ५७७ ठो उद्योग स्वीकृत करल बटै, जेम्ने कृषि ओ वनजन्य क्षेत्रमे २२ अर्ब ८ करोड अर्थात् ४६ प्रतिशत लगानी स्वीकृत करल बा ।

ओस्टे, पर्यटन क्षेत्रमे १२ अर्ब ९९ करोड, सेवा क्षेत्रमे ४ अर्ब ५९ करोड, उत्पादनमूलक क्षेत्रमे ३ अर्ब ५७ करोड, सूचना प्रविधिमे २ अर्ब ३६ करोड, पूर्वाधारमे १ अर्ब ६५ करोड, ऊर्जामे २३ करोड ४२ लाख ओ खनिजमे ११ करोड ५० लाख रुप्या लगानी स्वीकृत करल बा ।

विभागके तुलनात्मक ग्राफ अनुसार चालु आर्थिक वर्षके ११ महिनामे लगानीके उतारचढाव देखाइल बा, जम्ने आर्थिक वर्षके सुरुवाती महिना साउनमे वर्ष सबसे ढेर (करिब २५ अर्ब हाराहारी) लगानी स्वीकृत करल रहे ।

जेठ महिनामे ९५ जाने लगानीकर्ता, ५१ जना प्रतिनिधि ओ ८५ जना आश्रितहुकनके लग व्यावसायिक भिसा सिफारिस कइल बा । ओस्टेक, भदौ महिनामे साउनके तुलना लगानीमे गिरावट आइल रहे । कुवारसे माघसम लगानीके ग्राफ बहुट न्यून विन्दुमे झरल रहे, जम्ने अगहन ओ पुस महिनामे लगानी सबसे कम देखाइल बा ।

फागुन महिनामे लगानीके ग्राफमे केही सुधार देखाल रहे । साउन वर्षके उप्पर करिब २४ अर्ब रुप्या लगानी स्वीकृत करल रहे मने भदौमे इ घटके करिब ९ अर्बमे खुम्चल । ओकर पाछेके महिना कुवारमे करिब ३ अर्ब, कात्तिक ओ अगहनमे समान १ अर्ब ५० करोड ओ पुस महिनामे १ अर्ब हाराहारीमे लगानी प्रतिबद्धता आइल रहे । माघमे पुन: १ अर्ब ५० करोड पुगके लगानी फागुनमे करिब १ अर्बमे झरल रहे ।

चैतमे १ अर्ब ओ वैशाखमे करिब ३ अर्ब पुगके लगानी जेठ महिनामे आके २ अर्ब २९ करोड स्वीकृत करल बा । जेठ महिनामे ९५ जाने लगानीकर्ता, ५१ जाने प्रतिनिधि ओ ८५ जाने आश्रितहुकनके लग व्यावसायिक भिसा सिफारिस करल बा ।

## संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. ६३२ क्षेत्रफल ११८.५१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री रामबहादुर साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: महाविर चन्द — पश्चिम: सडक
उत्तर: जित सिंह महरा — दक्षिण: आशा चौधरी

**धनगढी उपमहानगरपालिका**
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

## पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

# अनिवार्य तथा नि:शुल्क शिक्षा

**विचार**
**रुद्रहरि भण्डारी**

नेपालके शिक्षाप्रणालीमे 'अनिवार्य ओ नि:शुल्क' शिक्षाके अवधारणा केवल संवैधानिक हक वा कानुनी व्यवस्था किल नाइहो' यी टे एक लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके जग बलगर बनैना प्राथमिक सर्त ओ सामाजिक न्यायके आधारस्तम्भ हो । राज्यसे स्पष्ट रूपमे उद्घोष करल बा, आधारभूत तहसमके शिक्षा अनिवार्य ओ नि:शुल्क तथा माध्यमिक तहसमके शिक्षा नि:शुल्क पैना हक रहल बा । संवैधानिक प्रतिबद्धताहे मूर्तरूप डेना अनिवार्य तथा नि:शुल्क शिक्षासम्बन्धी ऐन, २०७५ ओ तत्सम्बन्धी नियमावली कार्यान्वयनमे आसेकल बा । नीतिगत ओ कानुनी कसीमे हेरलेसे नेपालके शिक्षाप्रणाली दक्षिण एसियामे प्रगतिशील ओ युगान्तकारी बा । जब हम्रे सिंहदरबारके चिल्ला कागजमे कोरल यी नीतिहे दूरदराजके गाउँ, गरिब बस्ती ओ भुइँमनैन्के कठोर यथार्थसँग दाँजके हेरठि, तब एक गम्भीर प्रश्न उब्जठ, का यी सब व्यवस्थासे सच्मे सब बालबालिकाहे विद्यालयके चौघेराभित्रे नाने सेकल बटि ? का राज्यसे करल 'नि:शुल्क ओ अनिवार्य' के वाचा व्यवहारमे रूपान्तरण हुइल टे ?

### पहुँच विस्तारके उपलब्धि

नेपालके शिक्षाप्रणालीसे विगत कुछ दशकमे पहुँच विस्तारके दृष्टिकोणसे भारी फड्को मरले बा । २००७ सालवरपर मुस्किलसे दुई प्रतिशत रहल साक्षरता दर आज ७० प्रतिशतसे उप्पर पुगल बा । गाउँ गाउँमे विद्यालयके भवन ठह्रियाइल बा । खुद भर्नादर आधारभूत तहमे ९७ प्रतिशतसे उप्पर पुगल सरकारी तथ्यांकसे देखाइठ । लैंगिक समता सूचकांकमे फेन उल्लेख्य सुधार आके छात्रछात्राके भर्नादर लगभग बराबरीके अवस्थामे पुग्न अप्नेमे भारी उपलब्धि हो ।

यी उपलब्धिबिच लुकके अँन्धार पाटो कलेक अभिन फेन विद्यालयबाहिर रहल तीन/चार प्रतिशत बालबालिका बटैं । तथ्यांकमे यी प्रतिशत छोट डेखैलेसे फेन संख्यात्मक रूपमे यी दसौँ हजार कलिला मस्तिष्कके भविष्यसँग जोरल गम्भीर विषय हो । यी बालबालिका काहे विद्यालयबाहिर बटैं ? यकर उत्तर खोज्न हम्रे राज्यके नीतिसे समाजके आर्थिक संरचनाभित्तर पेले परठ । चरम गरिबीके दुश्चक्रके कारण आज फेन कैयौँ अभिभावक अपन बालबालिकाहे विद्यालयके प्रांगणमे नाइकि, इँटाभट्टा, ग्यारेज, होटेल वा साहुके खेतमे श्रम बेच्न पठैना विवश बटैं । बालबालिका विद्यालय गैलेसे परिवारसे गुमैना 'अवसर लागत' के पूर्ति राज्यसे करे सेक्ले नैहो । यीबाहेक भौगोलिक विकटता, मौसमी बसाइँसराइ, अपांगता रहल बालबालिकाके लाग अनुकूल पूर्वाधारके अभाव ओ कुछ सीमान्तकृत समुदायमे रहल चेतनाके कमीसे अभिन फेन भारी जमात शिक्षासे वञ्चित बा ।

### स्थानीय ओ प्रदेश सरकारके भूमिका

नेपालके संघीय संरचनासे शिक्षाके अधिकारहे तल्लो तहसम विकेन्द्रीकृत करले बा । स्थानीय तहहे विद्यालयके स्थापना, सञ्चालन, व्यवस्थापन, स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माण तथा शैक्षिक कार्यक्रमके अनुगमन करना महत्वपूर्ण जिम्मेवारी डेहल बा । यी अधिकारके प्रयोगसँगे स्थानीय सरकारसे शिक्षामे नयाँ आयाम थप्न अवसर पैले बा । यी अभियानमे प्रदेश सरकार संघीय ओ स्थानीय सरकारबिचमे पुलके काम करटि बा ।

बागमती प्रदेश सरकारसे 'अनिवार्य तथा नि:शुल्क शिक्षा' घोषणा कार्यक्रमहे एक अभियानके रूपमे सञ्चालन कैके शिक्षामे भारी लगानी करटि बा । प्रदेश सरकारसे स्थानीय तहके आवश्यकता ओ कार्यभारके आधारमे चरणबद्ध रूपमे वित्तीय अनुदान उपलब्ध कराइल बा । आर्थिक वर्ष २०७९/८० से हालसम स्थानीय तहके संख्यामे करल वृद्धि ओ अनुदानके निरन्तरतासे शिक्षामे प्रदेश सरकारके गम्भीर चास झल्काइठ । स्रोतके यी सुनिश्चित ओ स्थानीय सरकारके सक्रियता किलसे लक्ष्य प्राप्ति हुइ कि नैहुइ ? यी चुनौतीपूर्ण बा । काहेकि स्थानीय तहसे पाइल यी जिम्मेवारी केवल भौतिक पूर्वाधार निर्माणमे सीमित नैहोके बालबालिकाके सिकाइ सुनिश्चित करना विषयमे केन्द्रित हुइ परठ ।

> अनिवार्य शिक्षा केवल एक सरकारी कार्यक्रम, कानुनी बाध्यता वा बजेट सेक्ना मेलो किल नाइहो; यी टे एक निरन्तर चलल बृहत् सामाजिक अभियान हो । यिहिनहे सफल बनैना सरकारी संयन्त्र किल पर्याप्त नैहो । अभिभावकके सचेतना, समुदायके अपनत्व ओ स्थानीय राजनीतिक नेतृत्वके दृढ इच्छाशक्तिबिना यकर लक्ष्य हासिल करना असम्भवप्राय: बा । नेपालसे शिक्षाके पहुँच विस्तारमे जोन ऐतिहासिक प्रगति करल बा, उहिनहे संस्थागत करटि आबके सक्कु ध्यान ओ लगानी गुणस्तर ओ समावेशितामे केन्द्रित हुइ परठ । अनिवार्य तथा नि:शुल्क शिक्षा कार्यक्रमहे केवल तामझामपूर्ण घोषणा, कागजी तथ्यांक ओ वार्षिक प्रतिवेदनमे किल सीमित ढरजाइ कलेसे राज्यके ढुकुटी ओराइल बा, परिणाम नैअइना नियति हम्रे भोगेपरना बा । यिहिनहे राजनीतिक स्वार्थसे उप्पर उठके वास्तविक कार्यान्वयन, कक्षाकोठाके रूपान्तरण, गुणस्तरीय शिक्षा ओ आजीवन सिकाइसँग जोरे सेक्लेसे भर यी कार्यक्रम नेपालके शिक्षा इतिहासमे एक स्वर्ण अक्षरसे लेखल उपलब्धि बने सेकल बा । घोषणाके होडबाजी त्यागके आब कार्यान्वयनके मौन क्रान्तिमे लग्नाके विकल्प नैहो । जबसम अन्तिम बालबालिकाके हातमे कापीकलम नैपुगठ, उहिनसे गुणस्तरीय शिक्षाके अधिकार प्राप्त नैकरठ तबसम हम्रे करल विकासके दाबी अधुरा रहठ । यी यात्रा कठिन बा मने असम्भव नैहो ।

### घोषणाके होडबाजी

का कौनो गाउँपालिका वा नगरपालिकाहे तामझामके साथ 'अनिवार्य शिक्षा लागु हुइल क्षेत्र कहिके घोषणा करना किल पर्याप्त बा ? पाछेक समय कुछ स्थानीय तहमे अनिवार्य शिक्षा घोषणा करना एक प्रकारके होडबाजी चलल बा । मञ्च सजाजाइठ, ब्यानर टाँग्जाइठ, अतिथिके लम्मा लम्मा भाषण हुइठ ओ तालीके गडगडाहटके बिच घोषणा सम्पन्न हुइठ । घोषणा करना ओ वास्तविक रूपमे शतप्रतिशत बालबालिकाहे विद्यालयमे टिकैना दुई नितान्त फरक बाट हो ।

नेपालमे विगतमे खुला दिसामुक्त क्षेत्र वा पूर्ण साक्षर जिल्ला घोषणा करेबेरर डेखाइल विसंगतिसे हम्रे पाठ सिख्ना जरुरी बा । जोनबेला चर्पी नैबन्टि खुला दिसामुक्त घोषणा करल रहे, ओस्टेक सब बालबालिका विद्यालय नैअइलेसे अनिवार्य शिक्षा घोषणा करना केवल आत्मरति किल हो । घोषणा समारोह सम्पन्न हुइल बिहानसे लग्गेक चिया पसलमे भाँडा ढोइटिरहल बालक वा गिट्टी फोरटं बालिकाके समस्या घोषणासे समाधान नैकरठ । कुछ स्थानमे विद्यालयके हाजिरी खातामे भर्ना करल बालबालिका महिनामे एकाध दिन किल विद्यालय जैना, बिचमे पढाइ छोरान ओ सिकाइ उपलब्धि शून्य हुइना समस्या यथावत् बा । तसर्थ प्रदेश वा केन्द्रसे आइल अनुदान रकम ब्यानर, ब्याज ओ भत्तामे नाइकि, गरिब बालबालिकाके कापी, कलम, पोसाक, दिवा खाजा ओ उहाँहुकनके परिवारके आयआर्जन अभिवृद्धि करना लक्षित कार्यक्रममे खर्च हुइ परठ ।

### गुणस्तरके संकट

हमार शिक्षाप्रणालीसे झेले परल औरे सबसे भारी चुनौती शिक्षाके गुणस्तर हो । विद्यालयमे भर्नादर बह्रना सकारात्मक ओ पहिल सर्त हो मने सिकाइके गुणस्तर कमजोर हुइ कलेसे शिक्षाप्रणालीसे अपन अन्तिम लक्ष्य कबु पूरा करे नैसेकि । राज्यसे नि:शुल्क शिक्षा कहल मने उ नि:शुल्क शिक्षासे विद्यार्थीहे का सिखैले बा ? आज सरकारी विद्यालयके तित यथार्थ का हो कलेसे कक्षा ८ मे पुगल विद्यार्थी कक्षा ३ के नेपाली किताब मजासे बह्रे नैसेकठ, सामान्य गणितीय हिसाब करे नैसेकठ ।

गुणस्तरहीन शिक्षाके कारण आज गरिबसे गरिब अभिभावक फेन ऋण काढके होके फेन अपन छावाछाइहे निजी विद्यालयमे पठैना मरिहत्ते करटि बा । यिहिनसे समाजमे शिक्षाके नाममे दुई ठो वर्ग निर्माण करले बा, एक हुइनाखैनाके लाग महँगा शिक्षा ओ औरे गरिबके लाग नि:शुल्क मने नामके किल शिक्षा । विश्वव्यापीकरण ओ प्रविधिके युगमे केवल विद्यालय भर्ना हुइना वा प्रमाणपत्र हात परना किल पर्याप्त नैहो । शिक्षासे बालबालिकाहे जीवनोपयोगी ज्ञान, सिर्जनात्मक सिप, आलोचनात्मक चेत ओ नैतिक मूल्यमान्यता प्रदान करे परठ । अनिवार्य शिक्षाके अर्थ 'अनिवार्य रूपमे प्रमाणपत्र डेना' किल नैहोके अनिवार्य रूपमे जीवन जिना सिप सिखाइ परठ ।

### सामुदायिक सिकाइ केन्द्र

औपचारिक शिक्षाके चौघेरासे किल सक्कु समाजहे शिक्षित ओ प्रतिस्पर्धी बनाइ नैसेकठ । यकर लाग 'सामुदायिक सिकाइ केन्द्रके अवधारणा विश्वभर एक सशक्त औजारके रूपमे स्थापित बा । विशेष कैके दक्षिण कोरियाके साक्षरतासे उद्यमशीलतासमके मोडेल ओ भियतनाम तथा थाइल्यान्डके सफल अभ्याससे यी सिद्ध करल बा कि सिकाइ केन्द्रसे स्थानीय समुदायके जीवनस्तर उकस्न कैसिन भूमिका खेले सेकड ।

अन्तर्राष्ट्रियस्तरमे यी केन्द्रहे केवल साक्षरता कक्षामे नैहोके सामुदायिक विकासके केन्द्रके रूपमे लेजाइठ । उदाहरणके लाग दक्षिण कोरियामे अइसिन केन्द्रसे स्थानीय बासिन्दाहे डिजिटल साक्षरतासँगे आधुनिक प्रविधि, व्यवस्थापन ओ उद्यमशीलताके तालिम प्रदान करठैं, यिहिनसे समाजके हरेक पुस्ता अपन व्यावसायिक क्षमता अभिवृद्धि करल बा । भियतनामके सिकाइ केन्द्रसे स्थानीय किसानहे आधुनिक कृषि प्रविधि ओ बजार व्यवस्थापनके ज्ञान डेके गरिबी निवारणमे उल्लेख्य योगदान पुगाइल बा । वहाँक यी अभ्याससे आजीवन सिकाइके मर्महे व्यवहारमे उटारल बा ।

नेपालके सन्दर्भमे हेरके, टमान जैसिन स्थानीय तहमे अइसिन केन्द्र स्थापना टे हुइल बा मने उहिनसे अपेक्षित गति लेहे सेकल नाइहो । अब्बे यी केन्द्र अधिकांश आधारभूत साक्षरता वा सामान्य प्रौढ शिक्षामे किल सीमित डेखाइठ । आब समय आइल बा, हम्रे यी केन्द्रहे अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड अनुरूप सजीव सिकाइ केन्द्रमे रूपान्तरण करे परठ । यी केन्द्रहे आब केवल अक्षर चिनैना ठाउँमे किल सीमित नैढैके लागलिखित क्षेत्रमे केन्द्रित करे परठ, डिजिटल साक्षरता ओ प्रविधि, व्यावसायिक सिप ओ उद्यमशीलता तथा जीवनोपयोगी शिक्षा । साक्षरता कार्यक्रमहे स्थानीयस्तरके सिप विकाससँग जोरे सेक्लेसे किल यिहिनसे वास्तविक सामाजिक आर्थिक परिवर्तन नाने सेकि । जब एक अभिभावकसे सिकाइ केन्द्रसे अपन पेसाहे आधुनिकीकरण करना सिप सिकठ, ओकर परिवारके आर्थिक अवस्थामे प्रत्यक्ष सुधार आइठ ।*(बाँकी ३ पेजमे)*

**जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:**
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
*नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।*
प्रो.रमेश चौधरी
**केभी मासु पसल**
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

**एम्बुलेन्स नम्बर**
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

**प्रहरी**
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

**बैक**
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

**सरकारी कार्यालय**
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५२२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

**अस्पताल**
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.वा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

**होटल**
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

**शैक्षिक संस्था**
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

**राजनैतिक पार्टी**
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

**एफ.एम**
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

# अचार बनाके उद्यमी बन्ना अभियानमे महिला

**पहुरा समाचारदाता**

**कञ्चनपुर, २ असार ।** शुक्लाफाँटा नगरपालिका–३ के पार्वतीदेवी डगौरा घरबारी ओ बगियामे फर्ना आम, मूरै, गाँजर लगायतसे बनाजैना अचारहे केवल घरायसी परिकारके रूपमे किल लिइट ।

परिवारके लाग कम मात्रामे बनाजैना अचार कुछ दिनमे कुहना, ढुसी लग्ना ओ स्वाद बिग्रना समस्या सामान्यजस्टे रहे । सरसफाइ ओ संरक्षणके विधिबारे जानकारी नैहोके अचार लम्मा समय टिकाइ नैसेकजाए ।

अब्बे अवस्था फेरल बा । पार्वतीदेवी किल नैहोके, उहाँजस्टे अन्य महिला फेन व्यावसायिक रूपमे अचार उत्पादन कैना सक्षम हुइल बटै । तालिममार्फत सिखल सीप ओ आधुनिक विधिके प्रयोगसे उहाँहुक्के घरक बारीम उपलब्ध फलफूल तथा टिनाटावनहे आम्दानीके स्रोतमे रूपान्तरण कैना कार्यमे जुटल बटै ।

नगरपालिकाके उद्यम विकास शाखासे आत्मनिर्भर बनैना उद्देश्यसे १० जाने स्थानीय महिलाहे व्यावसायिक अचार उत्पादनसम्बन्धी तालिम प्रदान करल बा । दक्ष प्रशिक्षकमार्फत सञ्चालन करल तालिमसे महिलाहे अचार उत्पादनके परम्परागत शैलीसे व्यावसायिक उत्पादनओर डोहोर्याइले बा ।

पहिले अचार बनाइबर सरसफाइहे ओटरा महत्व नैडेजाए", बन्दनाकुमारी बोहरा कहली, "अब्बे हाठ मजासे ढुइना, पञ्जा लगैना, मास्क प्रयोग कैना ओ कपाल छोप्ना जैसिन अनिवार्य रूपमे अपनैठी, इहीसे अचारके गुणस्तर ओ टिकाउपन डुनु बह्रैले बा ।"

तालिमपाछे महिलाहुक्के गाँजर, मूला, लसुन, काउली, करैला, आँम, अमला, बयर, च्याउलगायतके स्थानीय रूपमे उपलब्ध फलफूल तथा टिनाटावनसे टमान मेरके अचार बनैना सिखल बटै । घरमे उत्पादन हुइना सामग्री प्रयोग हुइना हुइल ओरसे उत्पादन लागत कम लग्ना ओ स्थानीय कृषिजन्य उत्पादनके उपयोग फेन हुइना करल बा ।

अचार उत्पादनके प्रक्रिया फेन आब व्यवस्थित ओ व्यावसायिक बनल बा। उद्यमतर्फ अग्रसर महिलाके अनुसार अचार बनाउन प्रयोग हुइना फलफूल तथा टिनाहे पहिले सफा पानीसे मजासे ढोजाइठ्।

ओकरपाछे स्वच्छ भाँडामे काटके आवश्यकतानुसार उमालजाइठ्। पानी पूर्ण रूपमे सुखाइलपाछे नोन तथा अन्य आवश्यक मसला टटाइल तेलमे मिलाके तयारी करजाइठ् । अचारहे सफा प्लास्टिक वा सिसाके बट्टामे प्याकिङ करजाइठ्।

उत्पादनके नाउँ, मिति ओ आवश्यक विवरणसहितके लेबल टाँसलपाछे किल बजारमे पठाइक लाग तयार हुइना स्वस्तिमा चौधरी बटैली । "तालिमसे हम्रहीनहे केवल अचार बनैना किल सिखैले नैहो, गुणस्तरीय उत्पादन कैसिक कैना कना फेन सिखैले बा", समूहमे आबद्ध चौधरी कहली, "हम्रे १० जनहनके समूह बनाके उत्पादन सुरु करले बटी, अब्बे बजार व्यवस्थापनके लाग प्रशिक्षकसे सहयोग कैना आश्वासन डेले बटै, पाछे अपनहे बजार विस्तार कैना योजना रहल बा ।"

उहाँके अनुसार अचार उत्पादनके लाग छुट्टे स्थानके अभाव हुइ नैडेहक लाग वडा कार्यालयसे कोठा उपलब्ध करैले बा । इहीसे महिलाहे व्यवसाय सञ्चालन कैना थप सहज बनैले बा । वडासचिव श्याम डगौरा महिलाके उद्यमशीलताहे प्रोत्साहन करक लाग वडाके खाली रहल कोठा उपलब्ध कराइल बटैलै ।

"व्यवसाय सुरु करे चहुइया महिलाहे प्रारम्भिक चरणमे स्थानके समस्या नहोए कहिके कोठा उपलब्ध कराइल हुइटी", उहाँ कहलै, "व्यवसाय विस्तार हुइटी गैलपाछे उहाँहुक्के अपनहे व्यवस्थापनमे अन्यत्र कोठा खोजके सञ्चालन करहीं ।"

नगरपालिकाके उद्यम विकास शाखासे तालिमसँगे आवश्यक उपकरण फेन अनुदानमे उपलब्ध करैले बा । अचार उत्पादनके लाग आवश्यक चक्कु, भाँडाकुँडा, मिक्स्चर मेसिनलगायतके सामग्री महिलाहे वितरण करल बा ।

उद्यम विकास शाखाके कर्मचारी शान्ता साउदके अनुसार महिलाहे सीपमूलक तालिमसँगे आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराके स्वरोजगार ओर अग्रसर करैना उद्देश्य राखल बा ।

"महिलाहे उद्यमी बनैना हमार मुख्य लक्ष्य हो", उहाँ कहलै, "तालिमपाछे उत्पादन सुरु कैना सहज होए कहिके आवश्यक सामग्री फेन अनुदानमे उपलब्ध करैले बटी, महिला अपनहे व्यवसाय सञ्चालन कैके आत्मनिर्भर बनिट कना उद्देश्यसे इ कार्यक्रम सञ्चालन करल हो ।"

स्थानीयस्तरमे उत्पादन हुइना फलफूल तथा टिनाटावनके उपयोग कैके अचार उत्पादन करेबर खाद्य सामग्रीके संरक्षण किल नैहोके अतिरिक्त आम्दानीके अवसर फेन सृजना हुइना बा ।

"सिजनमे खेर जैना आम, अमला, बयर, मूला वा अन्य टिनाटावनहे प्रशोधन कैके बजारयोग्य उत्पादनमे रूपान्तरण करे सेकजैना हुइल ओरसे इहीहसे कृषि ओ उद्यमहे जोर्ना काम करले बा", उहाँ कहलै ।

अचारमे प्रयोग हुइना ढेर जैसिन सामग्री स्थानीय बारीमे उत्पादन हुइना हुइल ओरसे उत्पादन लागत कम हुइना ओ नाफाके सम्भावना ढेर रहना उर्मिला चौधरी बटैली । घरायसी काममे सीमित महिलाके लाग अइसीन व्यवसाय आम्दानीसँगे आत्मविश्वास बहैना माध्यम बनल उहाँ उल्लेख करलै ।

ग्रामीण क्षेत्रमे महिलाके आर्थिक सहभागिता बह्रैना, घरेलु सीपहे व्यवसायसँग जोर्ना तथा स्वरोजगारके अवसर सृजना कैना तालिम प्रभावकारी हुइल उद्यम शाखाके प्रमुख धनबहादुर चौधरीके कहाइ रहल बा ।

उहाँके अनुसार तालिमपाछे व्यावसायिक उत्पादनमे लागल शुक्लाफाँटाके महिला आब केवल अचार बनैना गृहिणी किल नैहुइट । अपने ब्रान्ड स्थापना कैके बजारमे प्रतिस्पर्धा कैना उद्यमी बन्ना तयारीमे रहल बटै ।

## अन्तर्राष्ट्रिय

## इन्डोनेसियामे ६.७ म्याग्निच्युडके भूकम्प

**काठमाडौं, २ असार ।** मध्य इन्डोनेसियामे मंगरके रोज ६.७ म्याग्निच्युडके भूकम्प गैल अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षणसे जनाइल बा कलेसे हालसम कौनो हताहत वा क्षतिके रिपोर्ट करैले नाइहो । मध्य सुलावेसी प्रान्तके पालुके दक्षिणपूर्वमे बिहान १०:२७ बजे भूकम्प गैल जनाइल बा ।

इन्डोनेशियाके मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान ओ जियोफिजिक्स एजेन्सीके अनुसार भूकम्प पालू ओ सिगीमे भूकम्पके भारी झड्का महसुस करल रहे, मने सुनामीके खतरा भर नैरहल जनाइल बा । दक्षिणपूर्वी एशियाली राष्ट्र इन्डोनेसियाके विशाल द्वीपसमूह, प्रशान्त "रिंग अफ फायर" लगायतमे यकर अस्थितिके कारण बारम्बार भूकम्प अइना करल जनाइल बा ।

यीआघे सन् २०१८ मे पालूमे आइल ७।५ म्याग्निच्युडके भूकम्प ओ ओरपाछे आइल सुनामीके दुई हजार २०० से ढेरके ज्यान गैल रहे ।

## अनिवार्य तथा निःशुल्क...

परिवारके आर्थिक आधार बलगर हुइना कलेक बालबालिकाके शिक्षामे परना बाह्य दबाब स्वतः कम हुइना हो । अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा कार्यक्रम सफल बनैना तिनु तहके सरकारबिच नङ ओ मासुके जैसिन स्पष्ट ओ प्रभावकारी समन्वय आवश्यक बा ।

**शिक्षामे आधारित सामाजिक सुरक्षा**

अनिवार्य शिक्षाहे केवल शिक्षा मन्त्रालयके कार्यक्रमके रूपमे किल हेरना नाइहो । यी टे एक मेरिक सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम फेन हो । गरिब परिवारहे बालबालिका विद्यालय पठैलेसे हुइना आयके क्षतिहे पूर्ति करना राज्यसे ससर्त नगद हस्तान्तरण वा शिक्षा कार्ड जैसिन नवीनतम अवधारणा लागु करे परठ । जबसम शिक्षाहे अभिभावकके रोजीरोटीसँग जोरे नैसेकजाइठ, तबसम बालबालिकाहे श्रमसे शिक्षामे लगैना कठिन बा । स्थानीय तहसे प्रत्येक वडामे बालबालिकाके शिक्षाके अवस्थाके डिजिटल प्रोफाइल ढरे परठ, यिहिनसे बच्चा कौन समयमे, काहे विद्यालय छोरल बा कना बाटके पूर्वसूचना प्रणाली सक्रिय हुइ सेकि ।

**विद्यार्थीके मनोविज्ञान बुझ्ना क्षमता**

शिक्षाप्रणालीके मेरुदण्ड कलेक शिक्षक हो । जत्राफेन मजा नीति रलेसे फेन कक्षाकोठामे शिक्षकसे विद्यार्थीके मनोविज्ञान बुझके पह्राइ नैसेकि कलेसे सब प्रयास खेर जाइठ । सामुदायिक विद्यालयके शिक्षकहे सूचना प्रविधिमे पोख्त बनैना, उहाँहुकनहे उत्प्रेरित करना ओ शिक्षण विधिमे हुइटिरहल नयाँ परिवर्तनसँग परिचित करैना कार्यमे स्थानीय तहसे लगानी बह्राइ परठ । विद्यार्थीहे विद्यालयमे टिकैना विद्यालयके वातावरण भयमुक्त ओ आनन्ददायी हुइ परठ । बालमैत्री विद्यालयके अवधारणाहे केवल भित्तामे चित्र बनैनामे सीमित नैकैके, शिक्षकके व्यवहारमे उतारे परठ ।

**घोषणासे कार्यान्वयनके यात्रा**

अनिवार्य शिक्षा केवल एक सरकारी कार्यक्रम, कानुनी बाध्यता वा बजेट सेक्ना मेलो किल नाइहो' यी टे एक निरन्तर चलल बृहत् सामाजिक अभियान हो । यिहिनहे सफल बनैना सरकारी संयन्त्र किल पर्याप्त नैहो । अभिभावकके सचेतना, समुदायके अपनत्व ओ स्थानीय राजनीतिक नेतृत्वके दृढ इच्छाशक्तिबिना यकर लक्ष्य हासिल करना असम्भवप्रायः बा । नेपालसे शिक्षाके पहुँच विस्तारमे जोन ऐतिहासिक प्रगति करल बा, उहिनहे संस्थागत करटि आबके सक्कु ध्यान ओ लगानी गुणस्तर ओ समावेशितामे केन्द्रित हुइ परठ । अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा कार्यक्रमहे केवल तामझामपूर्ण घोषणा, कागजी तथ्यांक ओ वार्षिक प्रतिवेदनमे किल सीमित ढरजाइ कलेसे राज्यके ढुकुटी ओराइल बा, परिणाम नैअइना नियति हम्रे भोगेपरना बा । यिहिनहे राजनीतिक स्वार्थसे उप्पर उठके वास्तविक कार्यान्वयन, कक्षाकोठाके रूपान्तरण, गुणस्तरीय शिक्षा ओ आजीवन सिकाइसँग जोरे सेक्लेसे भर यी कार्यक्रम नेपालके शिक्षा इतिहासमे एक स्वर्ण अक्षरसे लेखल उपलब्धि बने सेकल बा । घोषणाके होडबाजी त्यागके आब कार्यान्वयनके मौन क्रान्तिमे लग्नाके विकल्प नैहो । जबसम अन्तिम बालबालिकाके हातमे कापीकलम नैपुगठ, उहिनसे गुणस्तरीय शिक्षाके अधिकार प्राप्त नैकरठ तबसम हम्रे करल विकासके दाबी अधुरा रहठ । यी यात्रा कठिन बा मने असम्भव नैहो ।

*साभार: गोरखापत्र दैनिकसे*

# मगर भाषाहे सरकारी कामकाजके भाषाके रूपमे मान्यता देहेकपरी : पूर्व अर्थमन्त्री पुन

**पहुरा समाचारदाता**

**दाङ २ असार ।** नेपाल सरकारके पूर्व अर्थमन्त्री ओ प्रतिनिधि सभा सदस्य वर्षमान पुनसे मगर भाषाहे सरकारी कामकाजके भाषाके रूपमे मान्यता देहेक पर्ना बटैले बटै ।

लुम्बिनी प्रदेशमे मगर समुदायके जनसंख्या सबसे ढेर अर्थात् करिब १४.६ प्रतिशत रहल अवस्थामे फे सरकारी कामकाजके भाषामे मगर भाषा समावेश हुइ नैसकल दुःखद रहलके उहाँसे बटैलै ।

भूम्या पर्वके अवसरमे नेपाल मगर संघ लुम्बिनी प्रदेशसे दाङके राप्ती गाउँपालिका–३ सिरिचौर मसुरियामे आयोजित पाँच दिन प्रथम भूम्या महोत्सव, संस्कार सम्बन्धी अन्तरक्रिया ओ मगर साझा भवन निर्माण अभियानके उद्घाटन करटी प्रमुख अतिथि पुनसे मगर समुदायसे अपन भाषा, संस्कृति, पहिचान ओ परम्पराके संरक्षणमे आउर सक्रिय हुइक पर्ना बटैलै ।

उहाँसे मगर भाषाके प्रयोग घट्टी गैलप्रति चिन्ता व्यक्त करटी भाषा संरक्षणसँगे लावा पुस्तामे हस्तान्तरण करेक पर्ना आवश्यक बटैलै । राज्यसे अपन भाषा, संस्कृति ओ पहिचानके संरक्षणके लग मगर समुदायसे निरन्तर खबरदारी करेक पर्ना उहाँके कहाइ रहे ।

नेपाल मगर संघ लुम्बिनी प्रदेशके अध्यक्ष खलुप्रसाद पुन मगरके अध्यक्षतामे सम्पन्न कार्यक्रममे नेपाल मगर संघके पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष नवीन रोका मगर, लुम्बिनी प्रदेश सभा सदस्य माया पुन, नेपाल मगर संघके केन्द्रीय भाषिक उपाध्यक्ष जीवन रोका मगर, नेपाल आदिवासी जनजाति महासंघ लुम्बिनी प्रदेशके अध्यक्ष जितु तराजु मगर, नेपाल मगर संघके पूर्व केन्द्रीय सदस्य खडक बुढामगर, नेपाल मगर संघ रूपन्देहीके उपाध्यक्ष टेकबहादुर रेश्मी, सल्लाहकार समिति सदस्य गमबहादुर थापा मगर ओ नेपाल मगर संघ राप्तीके अध्यक्ष हिराबहादुर झार्की मगरलगायतके वक्ताहुकनसे शुभकामना मन्तव्य व्यक्त करल रहे ।

वक्ताहुकनसे मगर समुदायके भाषा, संस्कार ओ संस्कृति राष्ट्रके अमूल्य सम्पदा हुइलओरसे एकर संरक्षण ओ प्रवर्द्धनमे राज्यसे विशेष ध्यान देहेक पर्ना धारणा व्यक्त करल रहिट । कार्यक्रममे भवन निर्माणके लग सहयोग कैना दाताहुकनहे सम्मानपत्र सहित सम्मान समेत करल रहे । नेपाल मगर संघ लुम्बिनी प्रदेशके उपाध्यक्ष सञ्जीप थापा मगरके स्वागत मन्तव्यसे सुरु करल कार्यक्रमके सञ्चालन सहसचिव नरबहादुर घर्ती मगरसे करल रहिट । मगर सांस्कृतिक भवन निर्माण कैना उद्देश्यसे सञ्चालन करल महोत्सव असार ५ गतेसम चल्ना बा ।

महोत्सवमे मगर भाषा, कला ओ संस्कृतिके संरक्षण ओ अध्ययन, भुमे ओ कौडा नृत्यसहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवा ओ महिला नेतृत्व विकास, पुस्तकालय, सभाहल ओ प्रशिक्षण केन्द्र स्थापना लगायतके सामुदायिक गतिविधि सञ्चालन कैना आयोजकसे जनाइल बा ।

## लुम्बिनीके...

दुर्गम क्षेत्रमे विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा विस्तारके लाग ३ करोड ५० लाख रुपैयाँ विनियोजन करल बा । मृगौला प्रत्यारोपण, क्यान्सर उपचार तथा मुटुके भल्भ फेर्ना बिरामीहे प्रतिव्यक्ति २ लाख रुपैयाँ सहयोग कैना कार्यक्रमहे निरन्तरता डेहल बा ।

युवाहे उद्यमशीलतासँग जोरना कार्यक्रम, खेल पूर्वाधार विकास तथा रोजगार सिर्जनामे केन्द्रित योजना सञ्चालन कैना बजेटमे उल्लेख बा ।

वन तथा वातावरणओर सम्बर्द्धन प्रणालीमे आधारित वन व्यवस्थापन कार्यक्रमहे निरन्तरता डेहल बा । ग्रामीण समुदायके आयआर्जन वृद्धि तथा मानव–वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरणके लाग राहत ओ बीमा कार्यक्रम सञ्चालन कैना हुइल बा ।

ग्रामीण तथा शहरी विकासओर अधुरा करी पूरा अभियानहे निरन्तरता डेटी ८० प्रतिशतसे ढेर भौतिक प्रगति हासिल करल आयोजना सम्पन्न कैना ६६ करोड ६० लाख रुप्या विनियोजन करल बा । बसाइँसराइ न्यूनीकरण कैना नमुना बस्ती विकास कार्यक्रम सञ्चालन कैना तथा हुलाकी ओ मध्यपहाडी राजमार्ग क्षेत्रमे नयाँ बस्ती विकास कार्यक्रम आघे बह्रैना हुइल बा ।

प्रदेश राजधानी क्षेत्रके फोहर व्यवस्थापनके लाग ११ करोड रुप्या विनियोजन करल बा । सिंचाइ क्षेत्रके विकास तथा विस्तारके लाग ८६ करोड ४१ लाख रुप्या छुट्याइल बा । पानीके मुहान संरक्षणहे प्राथमिकतामे धारल बा ।

दिगो तथा गुणस्तरीय भौतिक पूर्वाधार निर्माणहे प्राथमिकता डेटी गुरुयोजनामे समावेश सडक तथा राष्ट्रिय राजमार्गसँग जोरना सडकहे प्राथमिकतामे धारल बा । प्रदेश गौरवके आयोजनाअन्तर्गत रामपुर–कपुरकोट सडक निर्माणके लाग २१ करोड रुप्या विनियोजन करल बा । प्रदेशसे निर्माण करल सडकके अलगे पहिचान स्थापित कैना व्यवस्था समेत बजेटमे करल बा । बहुवर्षीय आयोजना सम्पन्न कैना ४ अर्ब रुप्या विनियोजन करल बा । विपद् व्यवस्थापन, सूचना प्रविधि तथा डिजिटल सेवा विस्तारके कार्यक्रमहेफे प्राथमिकतामे धारल बा ।

लुम्बिनी पोर्टल निर्माणके लाग बजेट व्यवस्था करल बा कलेसे सदाचार नीति तर्जुमा, नीति संवाद कार्यक्रम, प्रदेश आयोजना बैंक कार्यान्वयन तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाह सुदृढीकरणके कार्यक्रमसमेत बजेटमे समेटल बा । सरकारसे सार्वजनिक, निजी तथा सहकारी क्षेत्रके सहकार्यमार्फत साझा समृद्धिके लक्ष्य हासिल कैना तथा राष्ट्रसेवक कर्मचारीके क्षमता अभिवृद्धिमार्फत सेवा प्रवाहहे थप प्रभावकारी बनैना नीति लेहल जनाइल बा ।


**डिवश ड्राईभिङ सेन्टर**

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेके ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

**विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...**

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथै फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *सावे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५



**डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।**

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

**कैलारी गाउँपालिका**

**गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय**

कैलाली

# नदीजन्य पदार्थ उत्खननमे रोक

**पहुरा समाचारदाता**

**कञ्चनपुर, २ असार ।** कञ्चनपुरके स्थानीय तहसे लडिया तथा खोलुवासे ढुङ्गा, गिट्टी ओ बालु उत्खनन, संकलन तथा निकासी कार्यमे रोक लगैले बटै ।

ढुङ्गा, गिट्टी, बालु उत्खनन, बिक्री तथा व्यवस्थापनसम्बन्धी मापदण्ड-२०७७ (संशोधन २०७९) के दफा ४ उपदफा (१६) बमोजिम हरेक बरस असार १ गतेसे भदौ मसान्तसम लडियाजन्य पदार्थ उत्खनन करे नैपैना कानुनी व्यवस्थाअनुसार स्थानीय तहसे उक्त कार्यमे रोक लगाइल हुइट ।

उहे व्यवस्था कार्यान्वयन कैटी भीमदत्त नगरपालिका, बेदकोट नगरपालिका, शुक्लाफाँटा नगरपालिका ओ कृष्णापुर नगरपालिकासे सार्वजनिक सूचना जारी कैटी आपन क्षेत्रभिट्टरके सक्कु लडिया, खोलुवा तथा नालासे नदीजन्य पदार्थके उत्खनन, संकलन, ढुवानी ओ निकासी कार्य बन्द करल हो ।

वर्षायाममे लडियाके प्राकृतिक बहाव संरक्षण, सम्भावित बारह् तथा डुबानके जोखिम न्यूनीकरण ओ वातावरणीय सन्तुलन कायम रख्ना उद्देश्यसे उक्त निर्णय कार्यान्वयनमे लानल जनाइल बा ।

भीमदत्त नगरपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत महेशबहादुर बम कानुनी व्यवस्थाअनुसार नगरपालिका क्षेत्रभिट्टरके महाकालीसहित सक्कु लडिया तथा खोलुवासे ढुङ्गा, गिट्टी ओ बालु उत्खननमे रोक लगाइल बटैलै ।

"इ अवधिमे कौनो फेन व्यक्ति वा कम्पनीसे नदीजन्य पदार्थ उत्खनन, संकलन वा ओसारपसार करे नैपैठै", उहाँ कहलै, "इ सम्बन्धमे सार्वजनिक सूचना जारी कैके सर्वसाधारणहे जानकारी करासेकल बा ।" उहाँके अनुसार वर्षायाम सुरु हुइलसँगे उत्खनन रोक्ना व्यवस्था लागू करल ओरसे नदीजन्य स्रोतके संरक्षण, लडियाके प्राकृतिक स्वरूप कायम रख्ना तथा बारह्जन्य जोखिम नियन्त्रणमे सहयोग पुग्ना अपेक्षा करल बा ।

ओस्टके, बेदकोट नगरपालिकासे फेन सूचना जारी कैटी असार १ गतेसे भदौ मसान्तसम नगर क्षेत्रभिट्टरके लडिया तथा खोलुवासे कौनो फेन प्रकारके नदीजन्य पदार्थ उत्खनन, सङ्कलन, ढुवानी तथा बिक्री वितरण करे नैपैना जनैले बा । जारी सूचनामे उक्त अवधिभिट्टर कानुनविपरीत नदीजन्य पदार्थ उत्खनन, संकलन, ढुवानी वा बिक्री वितरण करल पाइलमे प्रचलित कानुनअनुसार कारबाही कैना उल्लेख करल बा ।

बर्सेनि वर्षायाममे लागू हुइना इ व्यवस्थासे नदी तथा जलाधार क्षेत्रके संरक्षण, वातावरणीय सन्तुलन कायम रख्ना ओ प्राकृतिक विपद्के जोखिम न्यूनीकरण कैना महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ना करल बा ।

# अवैध लागुऔषधसहित तीन जाने पक्राउ

**पहुरा समाचारदाता**

**कञ्चनपुर, २ असार ।** कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे अवैध लागु औषधसहित तीन जाने पक्राउ परल बटै ।

कञ्चनपुर कृष्णपुर न.पा.५ गुलरियासे अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइन जैसिन विल्गैना २ ग्राम ५२० मिलिग्राम, इलेक्ट्रोनिक काटा ओ रु.१ लाख ५२ हजार नगद सहित ३ जनहनहे सोम्मार साँझ प्रहरीसे पक्राउ करले बा । पक्राउ परुइयामे उहे ठाउँ बैठना वर्ष २३ के राजेश राना, वर्ष २४ के दिवाकर भुल ओ वर्ष ३० के जयराम राना रहल बटै ।

लागुऔषधके कारोवार हुइटी रहल बा कना गोप्य सूचनाके आधारमे लागु औषध नियन्त्रण व्युरो शाखा धनगढी ओ इलाका प्रहरी कार्यालय गुलरिया, कञ्चनपुरसे संयुक्त रुपमे खटल प्रहरीसे पक्राउ करल हो । यी सम्बन्धमे प्रहरीसे आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल बा ।

# फरार एक प्रतिवादी पक्राउ

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २ असार ।** फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कैलालीके फैसलासे ज्यान मर्ना उद्योग मुद्दामे ७ बर्ष कैद सजाय तोकलपाछे फरार एक जाने पक्राउ परल बटै । घोडाघोडी न.पा.८ बैठना बर्ष ४६ के प्यारेकमल चौधरीहे इलाका प्रहरी कार्यालय सुखड, कैलालीसे खटल प्रहरीसे सोम्मार हुकाने घर ठेगानासे पक्राउ करल हो ।

## मोटरसाइकलको फाइल हराएको सूचना

धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर ७ देवहरियाका रामसय रानाको नाममा रहेको मोटरसाइकल नम्बर सुपप्र ०१-०१३ प १९१२ को कागजात (फाइल) गत जेठ २२ गते देवहरिया देखि यातायात कार्यालय जाने बेला हराएकोले पाउनु हुने महानुभावले सम्बन्धित व्यक्ति अथवा नजिकैको प्रहरी कार्यालयमा बुझाइ दिन हुन अनुरोध छ । सम्पर्क मो. ९५१५६६७८०३

# महाकाली पुलके गाइडबण्ड पुनर्निर्माणमे खटल सेना

**महेन्द्रनगर, २ असार ।** कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिका-१२ स्थित महाकाली लडियामे निर्माण हुइल चार लेनके पक्की पुलके उत्तर ओरके ड्याम (गाइडबण्ड) पुनर्निर्माणमे शनिच्चरसे नेपाली सेना खटल बा । गत बरस वैशाखमे सरकारसे महाकाली पुल योजनाहे तीन महिनाके लाग सङ्कटग्रस्त क्षेत्र घोषणा कैके गाइडबण्ड निर्माण कैना भीमदत्त नगरपालिका क्षेत्रके तटीय बस्ती जोगाइक लाग काम नेपाली सेनाहे डेहल रहे ।

शुकके किल पुल योजना ओ गैल बरस बारह्से क्षति पुगाइल गाइडबण्डके स्थलगत निरीक्षणके लाग पूर्वाधार विकासमन्त्री सुनिल लम्साल यहाँ आइल रहिट । लगत्तै सरकारसे क्षति हुइल गाइडबण्ड पुनर्निर्माण कैना ओ आसन्न वर्षातके हुइ सेक्ना सम्भावित क्षति कम कैना पुन: शनिच्चरसे नेपाली सेना खटाइल हो ।

गाइडबण्ड क्षति हुइल स्थलमे सडक डिभिजन कार्यालय कञ्चनपुरके अगुवाइमे सैनिक जनशक्ति उक्त योजनामे परिचालन हुइल बा । उहे क्रममे नेपाली सेनाके श्री नं २५ बाहिनी अड्डा भगतपुर ब्यारेकके बाहिनीपति सहायकरथी बिजितराज रेग्मीसहित सैनिक प्राविधिक टोली क्षतिग्रस्त क्षेत्रके अवस्थाके बारेम जानकारी लेहे समेत पुगल रहिट । बाहिनीसे योजनास्थलमे तत्कालके क्षति न्यूनीकरण कैके थप क्षति हुइ नैडेना, चार लेनके पुल संरक्षण तथा तटीय क्षेत्रके बस्ती जोगैना काम करसेकल बा । ओकर लाग सुदूरपश्चिम पूतनाअन्तर्गत टमान ठाउँसे सेनाके टोली यहाँ अइना क्रम सुरु होसेकल बा ।

गैल बरस फेन सेनासे डेहल जिम्मेवारी पूरा करल कारण महाकाली लडियासे गाइडबण्डमे क्षति ढेर करे नैपाइल । इ बरस फेन डेहल जिम्मेवारीअनुरुप गाइडबण्डके संरक्षण ओ थप क्षति हुइ नैडेना मेरके सेना खटल बा ।

सडक डिभिजन कार्यालय कञ्चनपुरके प्रमुख राजेशकुमार यादवसे गैल बरसके बारह्से गाइडबण्डके करिब ३०० मिटरमे क्षति पुगाइल बटैलै । 'क्षति पुगाइल ठाउँमे केन्द्रित होके सैनिक टोली पुनर्निर्माणमे खटल बा', उहाँ कहलै, 'ओकर लाग मेसिनरी ओ प्राविधिक सहयोग हमार रही, जनशक्ति सेनासे उपलब्ध हुइल बा ।'

पक्की पुलके ९५ प्रतिशत निर्माण ओरैलेसे फेन गाइडबण्डके नयाँ डिजाइन स्वीकृति ओ भेरियसन अर्डर (भिओ)के विषय किनारा नैलागलपाछे निर्माण कम्पनी कामसे गत बरससे बाहर हुइल बा । पुल निर्माण व्यवसायी ओ सडक विभागबीचके मुद्दा अब्बे मध्यस्त न्याधीकरणमे (आर्बिटेसन) मे छलफलमे रहल बा ।

## कृषि उत्पादन वृद्धि गरौं, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित गरौं

- कृषि पेशाको सम्मान र प्रवर्द्धन गरौं,
- आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरी धान उत्पादन वृद्धि गरौं,
- उन्नत बीउ, मल तथा सिँचाइको उचित प्रयोग गरौं,
- जमिनको सदुपयोग गरी खेतीयोग्य भूमि संरक्षण गरौं,
- कृषि उत्पादनलाई प्राथमिकता दिई कृषकलाई प्रोत्साहन गरौं,
- विषादीको सुरक्षित र सन्तुलित प्रयोग गरौं,
- स्थानीय जातका धानहरुको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरौं,
- व्यवसायिक कृषि प्रणालीमार्फत कृषिमा आत्मनिर्भर बनौं।

खाद्यान्नको उत्पादन, वितरण, पहुँच र दिगोपना सुनिश्चित गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

## सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

**हाम्रा सेवाहरु** : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

**कैलाली अस्पताल प्रा.लि**

*जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली*

*फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९*

## ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

*कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।*

**संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन**

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

**फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९**